डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्योत्सव
21–26 फ़रवरी 2017

इस वर्ष का साहित्योत्सव मातृभाषा संरक्षण और लोक साहित्य पर केंद्रित

छह दिवसीय साहित्योत्सव में देश की विभिन्न भाषाओं के 215 लेखक और विद्वान भाग लेंगे

चौबीस भारतीय भाषाओं के विद्वानों को अकादेमी पुरस्कार

प्रतिष्ठित विद्वान एवं इतिहासकार रामचंद्र गुहा द्वारा संवत्सर व्याख्यान

संगोष्ठी, परिसंवाद, काव्य एवं कहानी पाठ के अतिरिक्त प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी

नई दिल्ली 17 फ़रवरी 2016। साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाला साहित्योत्सव इस वर्ष 21–26 फ़रवरी 2017 तक रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष का उत्सव मातृभाषा संरक्षण और लोक साहित्य पर केंद्रित है। ज्ञात हो कि 21 फरवरी 2017 अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। अतः इस दिन को और सार्थक बनाने के लिए साहित्य अकादेमी मातृभाषा संरक्षण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कर रही है, जिसका उद्घाटन प्रख्यात कन्नड लेखक एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य एस. एल. भैरप्पा करेंगे। इस संगोष्ठी में – सीताकांत महापात्र, ध्रुव ज्योति बोरा, उदय नारायण सिंह, इंद्रनाथ चौधुरी, राहुल देव, चंद्रप्रकाश देवल, वासदेव मोही, सा. कंदासामी जैसे देश भर के जाने माने लेखक और विद्वान भाग लेंगे। इसी दिन भाषा सम्मान पुरस्कार अर्पण समारोह में हल्बी, कुड़ुख एवं लद्दाखी भाषाओं के लेखकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

इस वर्ष के छह दिवसीय साहित्योत्सव में देश के कोने–कोने से विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करनेवाले 215 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।

साहित्योत्सव का आरंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करनेवाली प्रदर्शनी से होगा। प्रख्यात संस्कृत विद्वान और अकादेमी के महत्तर सदस्य प्रो. सत्यव्रत शास्त्री रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में 21 फ़रवरी 2017 को पूर्वाह्न 10.00 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

साहित्योत्सव का मुख्य आकर्षण, साहित्य अकादेमी पुरस्कार अर्पण समारोह कमानी सभागार, नई दिल्ली में 22 फ़रवरी 2017 को सायं 5.30 बजे आयोजित होगा, जिसमें 24 भारतीय भाषाओं के

लेखकों को पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे। कार्यक्रम का समापन संध्या पुरेचा द्वारा भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति से होगा। इस दिन दोपहर 2.30 बजे प्रख्यात भारतीय अंग्रेजी लेखिका रूपा बाज़वा के साथ, 'लेखक से भेंट' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है।

प्रतिष्ठित विद्वान एवं इतिहासकार रामचंद्र गुहा द्वारा अकादेमी का संवत्सर व्याख्यान 23 फरवरी 2017 को सायं 6.00 बजे रवींद्र भवन परिसर में दिया जाएगा, जिसका विषय 'ऐतिहासिक जीवनी का शिल्प' है। इसी दिन सायं 4.30 बजे 'कवि अनुवादक' कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ हिंदी कवि केदारनाथ सिंह अपनी कविताओं का पाठ करेंगे, जिनके अंग्रेज़ी अनुवादों का पाठ हरीश त्रिवेदी साथ–साथ करेंगे।

अकादेमी पुरस्कार प्राप्त लेखकों द्वारा अपनी रचना प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए 'लेखक सम्मिलन' कार्यक्रम 23 फरवरी को पूर्वाह्न 10.30 बजे रवींद्र भवन परिसर में आयोजित होगा। पुरस्कृत लेखकों से प्रतिष्ठित साहित्यकारों/विद्वानों की बातचीत का कार्यक्रम 'आमने–सामने' 24 फरवरी 2017 को मेघदूत रंगशाला (तृतीय) में आयोजित किया गया है, जिसमें नासिरा शर्मा (हिंदी) से अशोक तिवारी, कमल बोरा (गुजराती) से दिलीप झावेरी, आसाराम लोमटे (मराठी) से रणधीर शिंदे, पापिनेनि शिवशंकर (तेलुगु) से अमरेंद्र दसारी, पारमिता शतपथी (ओड़िया) से राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा अज़ीज हाजिनी (कश्मीरी) से फ़ारुक फ़याज द्वारा बातचीत की जाएगी।

इस बार साहित्योत्सव के मुख्य विषय लोक साहित्य पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी 24 फरवरी 2017 को साहित्य अकादेमी सभागार में आयोजित की जा रही है, जिसका उद्घाटन प्रख्यात लेखक मनोज दास करेंगे। इस त्रि दिवसीय संगोष्ठी के अन्य सत्रों की अध्यक्षता प्रतिभा राय, सोहन दान चारण, जेंसी जेम्स, माला श्रीलाल, अवधेश सिंह, चंद्रशेखर कंबार, भालचंद्र नेमाड़े, प्रदीप ज्योति महंत और एच.एस. शिवप्रकाश करेंगे।

'युवा साहिती' कार्यक्रम जो 23 फरवरी 2017 को रवींद्र भवन परिसर आयोजित किया गया है, के अंतर्गत पूरे देश से विभिन्न भारतीय भाषाओं के 26 युवा लेखक अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

आदिवासी लेखक सम्मिलन 25 फरवरी को आयोजित किया गया है, जिसमें आदिवासी सृजन कथाओं की प्रस्तुति कार्यक्रम तथा 19 आदिवासी भाषाओं के कवि अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे। इसी दिन 'आओ कहानी बुनें' के अंतर्गत विभिन्न बाल गतिविधियों का आयोजन किया गया है। इसमें बच्चों के लिए कविता तथा कहानी प्रतियोगिताओं के अलावा मैजिक शो भी आयोजित है।

समारोह के अंतिम दिन 'भारत की अलिखित भाषाएँ' तथा 'अनुवाद पुनर्कथन के रूप में' विषयों पर परिसंवाद आयोजित होंगे।

प्रतिदिन सायं 7.00 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत क्रमशः *कच्छी लोक संगीत, भरतनाट्यम, लाई हारोबा, माव और काबुई नृत्य, बाउल गान तथा संताली नृत्य* की मनोहारी प्रस्तुतियाँ होंगी।

(के. श्रीनिवासराव)